

पुलिस के सामने ही महिला को दबंगों ने पीटा

कुरावली क्षेत्र के दबंगों ने कानून व्यवस्था की उड़ाई धज्जियां, पुलिस देखती रही तमाशा, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। शनिवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है, इस वीडियो ने कानून व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। वायरल इस वीडियो में स्काॅपियो कार सवार कुछ दबंग कानून की धज्जियां उड़ाते हुये एक महिला के साथ पुलिस की मौजूदगी में लाठी डंडों से मारपीट कर रहे है। मारपीट की वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिससे पीड़ित महिला के द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। पूरी घटना की शिकायत एसपी से लिखित प्रार्थना पत्र देकर दबंगों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

एसपी ने स्थानीय पुलिस को वायरल वीडियो के आधार पर कार्यवाही करने के लिये निर्देश दिये है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कुरावली थाना क्षेत्र के गांव बरौलिया निवासी पीड़िता राजकुमारी पत्नी मित्रकान्त सिंह ने एसपी मैनपुरी



को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि बीते 27 अगस्त को वह अपने घर पर वर्तन साफ कर रही थी तभी अचानक गांव के ही रहने वाले शिवकुमार व सोनेश पुत्रगण रनवीर सिंह व दीपक पुत्र सोनपाल सिंह निवासी जीटी रोड कुरावली तथा रघुनंदन पुत्र राजेन्द्रपाल सिंह

निवासी मोहल्ला फर्दखाना थाना कुरावली एक जुट होकर घर के अंदर घुस आए और पीड़िता के साथ भेदी भेदी गालियां देने लगे जब पीड़िता ने गाली गलौज करने का विरोध किया तो उक्त लोगों ने जमीन पर गिराकर महिला के साथ मारपीट कर दी। जिससे महिला के अन्दरूनी

चोंटे आयी है। जिसके बाद पीड़िता एनएच 34 हाइवे किनारे अपने प्लाट पर काम करवा रही थी तभी उसी समय डायल 112 पुलिस की मौजूदगी में उक्त लोग स्कोर्पियो पर सवार होकर आए और महिला के साथ लाठी डंडो से मारना पीटना शुरू कर दिया।

कमरे का ताला तोड़कर नकदी और जेवरयत चोरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता, किशनी/मैनपुरी। कुर्रा थाना क्षेत्र के गांव निजामपुर में सुबह अज्ञात चोरों द्वारा कमरे का ताला तोड़कर चोरी कर ली गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर फोरेसिक टीम को बुला लिया। टीम ने घटना स्थल पर नमूने लिए है। शनिवार की सुबह 3 बजे लगभग अज्ञात चोरों शिवम पुत्र जयराम कश्यप के घर मे दाखिल हो गए। अंदर एक कमरे का ताला तोड़कर कमरे में बेड के नीचे रखे दो बक्से बाहर निकाल लिए। चोरों ने बक्से में रखी 31 हजार की नगदी एक जोड़ी झुमकी, पायल व कश्मीरी चोरी कर ले गए। सुबह जागने पर परिजनों को मामले की जानकारी हुई। मैन गेट एक कमरे का ताला लगा था दूसरे कमरे का ताला टूटा पड़ा था और अंदर जाकर देखा तो बक्से भी खुले पाड़े थे। शिवम के अनुसार वह उनकी मां व पत्नी व बच्चा शाम को खाना खाकर छत पर सोने चले गए थे। शिवम के अनुसार यह सुबह 3 बजे तक जागा था उसके बाद ही चोरों ने चोरी की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना कर फोरेसिक टीम को बुला लिया। टीम ने कई जगह के नमूने लिए है।

पीड़िता की भूमि पर नींव भरकर नामजदों ने निर्माण कर दिया शुरू

मोर्निंग सिटी संवाददाता,किशनी/मैनपुरी। थाना क्षेत्र के गाँव मधुपुरी निवासी कंठशी पत्नी दीवारीलाल जाटव ने शान में शिकायत की है। बताया कि उनके गांव के पड़ोसी नामजदों ने उनकी जगह में राते के समय नींव भरकर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। जगह में काम कर रहे है। पीड़ित का आरोप है कि उनकी जगह में काम कर रहे है उनके मना करने पर गालियां देकर मारने पीटने को दौड़ पाड़े। पुलिस मामले की जाँच कर रही है।

तमंचा व कारतूस सहित पकड़े युवक को जेल

मोर्निंग सिटी संवाददाता, किशनी/मैनपुरी। थाना पुलिस ने शनिवार को गस्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को जाले देखा तो पुलिस ने उसका पीछा किया। पुलिस को पीछा करते देख वह भागने लगा पुलिस ने चारो तरफ से घेरबन्दी कर व्यक्ति को पकड़ लिया। पुलिस की तलाशी करने पर आरोपी के पास से एक तमंचा 315 बोर व 1 जिन्दा कारतूस मिला जिसे गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने आरोपी सखामोन पुत्र हुसैन खान नि ग्राम मोहरी थाना ऊसरसहार जनापद इटावा को जेल भेजा है।

व्यापारी से लूट करने वाला लुटेरा पुलिस ने दबोचा

27 घंटे के अंदर लूट का कुरावली पुलिस ने किया भंडाफोड़

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। एसपी गणेश प्रसाद साहा और एसपी ग्रामिण राहुल मिठास के निर्देशन और कुरावली सीओ सच्चिदानंद सिंह के कुशल नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कुरावली थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे 34 पर नवीन लहसुन मंडी के पास एक व्यापारी से हुई नकदी लूट की घटना का कुरावली थाना इस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान के साथ क्रिमिनल इन्टेलिजेंस विंग/सर्विलांस सेल टीम और कुरावली पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने एक लुटेरे का गिरफ्तार करने के साथ ही लुटी हुई नकदी में कुछ नकदी वरामद की है। पकड़े गए लुटेरे को जेल भेज दिया गया है।

एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता में बताया कि कुरावली थाना क्षेत्र के गांव महादेवा निवासी अनिल कुमार पुत्र द्वारिका प्रसाद की नवीन लहसुन मंडी में आढत है।



जो वहां लहसुन, आलू आदि का व्यापार करते है। 27 अगस्त को अनिल कुमार 50 हजार की नकदी लेकर मंडी जा रहे थे, वह मंडी के पास ही पहुंचे थे, तभी प्लसर बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने अनिल से 50 हजार की नकदी लूट ली थी और फरार हो गए थे, अनिल ने अज्ञात के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसके बाद इस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान के

नेतृत्व में क्रिमिनल इन्टेलिजेंस विंग/सर्विलांस सेल टीम और कुरावली थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार लूट करने वाले को 27 घंटे के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया, पुलिस को गिरफ्तार किए गए लुटेरे ने अपना नाम मोनू उर्फ जफर आलम निवासी बिलग्राम थाना बिलग्राम हरदोई बताया है। थाने में पूछताछ के बाद मोनू ने लूट करने का गुनाह स्वीकार कर लिया

लुटेरे का साथी भागने में हुआ सफल

इस्पेक्टर ने बताया कि पूछताछ में पकड़े गए मोनू ने बताया कि उसने अपने साथी राजाबाबू पुत्र रामसनेही निवासी सान्डी थाना सान्डी हरदोई के साथ मिलकर लूट की थी, पुलिस की दृिश के दौरान राजाबाबू भागने में सफल रहा, पुलिस ने पकड़े गए मोनू के कब्जे से 30 हजार 270 रुपए और एक राइडर बाइक वरामद की है। लुटेरे को जेल भेज दिया गया है।

खुलासा करने वाली टीम यह रहे शामिल

व्यापारी से हुई लूट का खुलासा करने वाली टीम में कुरावली थाना इस्पेक्टर धर्मेन्द्र सिंह चौहान, किमिनल इन्टेलिजेंस विंग/सर्विलांस सेल प्रभारी गगन कुमार गौड़, उपनिरीक्षक हरद्व सिंह, मंडी चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक रामेश्वर दयाल, प्रथमवीर सिंह, कां, राहुल कुमार, नरायन सिंह शामिल रहे।

युवक की कानपुर सड़क हादसे में मौत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। थाना कुर्रा के एक गांव निवासी युवक की कानपुर में सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी। सूचना मिलते गई घर मे कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार नगला बरी निवासी अभिषेक पुत्र रंजीत यादव उम्र लगभग 19 वर्ष

किसी कार्य हेतु कानपुर गया था। जहां बीती रात वह सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। सुबह 3 बजे परिजनों को सूचना मिली तो उनके होश उड़ गए। देर शाम पीएम के बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। मृतक दो बहिनों के बीच अकेला भाई था। परिजनों का रोतेकर बुरा हाल था।



मैनपुरी

लकड़ी बीनने पर नामजदों ने की मारपीट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

क्या बोले इस्पेक्टर कोतवाली

गांव बरौलिया में झगड़ा होने की सूचना पर पुलिस गई थी, तभी कुछ लोग आए महिला से अभद्रता करने लगे, जिनके खिलाफ पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की जाएगी, कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा, झगड़ा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

- धर्मेन्द्र सिंह चौहान, इस्पेक्टर कोतवाली कुरावली।

महिला के साथ लाठी डंडों से मारपीट करने की वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। पीड़िता ने एसपी से लिखित शिकायत करते हुई दबंगों के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। एसपी ने स्थानीय पुलिस को वीडियो के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

पीसीएफ गोदाम पर खाद वितरण से किसानों में खुशी

अराजकतत्वों को खाद वितरण प्रणाली नहीं हो रहीं हजम, शराब के नशे में धुत होकर आएदिन मचा रहे उत्पाद, सचिव को कर रहे बदनाम

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी/कुरावली। कस्बा के गैलानाथ पुल के निकट मैनपुरी तिराहा जीटी रोड किनारे स्थित पीसीएफ गोदाम पर यूरिया खाद वितरण प्रणाली को क्षेत्र के किसानों ने बहुत सही बताया है। किसानों ने पीसीएफ गोदाम पर खाद वितरण को सही बताते हुए समय पर खाद मिलने पर खुशी जाहिर की है। किसानों का कहना है कि उन्हें यहां पर कभी भी अपने पर खाद के लिए मशक्कत नहीं करनी पड़ती है। समय पर खाद मिल जाती है। शनिवार को इस गोदाम पर आने वाले किसानों को बिना परेशानी के खाद मुहैया कराई जा रही थी।

वर्तमान समय में चल रहीं यूरिया खाद की मारामारी के बीच कुरावली में एक गोदाम ऐसी भी है। जो किसानों को समय पर खाद पहुंचा करा रहीं है। कुरावली के गैलानाथ पुल स्थित मैनपुरी तिराहा के निकट जीटी रोड स्थित पीसीएफ गोदाम पर किसानों को बिना किसी परेशानी के



रोज यूरिया खाद मिल रहीं है। समय पर खाद मिल जाने पर किसान खुशी जाहिर भी कर रहे है। शनिवार को स्थलीय निरीक्षण के दौरान किसान पीसीएफ गोदाम के सचिव विश्वबन्धु के काम प्रशंसा भी कर रहे थे। किसानों ने कहा कि वे जब भी गोदाम पर खाद लेने आते है उन्हें कभी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ता है। लेकिन कुछ अराजकतत्व है जिन्हे गोदाम की यह व्यवस्था हजम नहीं हो रहीं हैं, वे खाद वितरण की व्यवस्था को खराब करना चाहते है।

अराजकतत्वों को हजम नहीं हो रहीं बेहतरीन व्यवस्था- गैलानाथ

परिणामों में सरलता, निर्मलता का होना उत्तम आर्जव

दशलक्षण पर्व पर पंडित मयंक जैन शास्त्री ने प्रवचन सुनाएं

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। दसलक्षण महापर्व के तीसरे दिन श्री पारसनाथ जिनालय लोहाई मंदिर जी में श्रमण भारती संस्था के तत्वाधान में श्री जी का अभिषेक एवं वृहद शांति धारा की गई। शांति धारा करने का सौभाग्य गौरव जैन, संभव जैन, सुनील जैन परिवार को मिला, वही अभिषेक करने का सौभाग्य सुरेश चंद, सार्थक जैन, संजीव जैन आदि ने पूजा भक्ति की।

वहीं टीकमगढ़ से पधारे पंडित श्री में एक जनशा शास्त्री ने अपने प्रवचन में उत्तम आर्जव धर्म पर उद्बोधन देते हुए कहा कि परिणामों में सरलता, निर्मलता का होना उत्तम आर्जव है। आत्मा का स्वभाव है, हर एक प्राणी में मौजूद है फिर भी उसे प्राप्त करने के लिये पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है। मक्खन दूध में है पर योग्य प्रक्रिया किये बिना उसे नहीं पाया जा सकता है। आर्जव धर्म को पाना है तो उस धर्म को आवृत्त करने वाली को माया कषाय है उसे हटाना होगा। आपकी शुद्ध चावल चाहिए तो ऊपर के छिलके को हटाना ही पड़ेगा अन्यथा शुद्ध चावल सजा को वह धान्य नहीं पा सकता। उत्तम आर्जव एक अलौकिक दर्पण के समान है। लौकिक दर्पण में मूर्त पदार्थों का ही प्रतिबिम्ब झलकता है पर आर्जव रूपी दर्पण में अमूर्त आत्मा का स्वरूप भी झलकता है। अतः



संगीतमय आरती में शामिल हुए भक्तगण

इससे पूर्व सायंकालीन सभा में सामूहिक संगीतमय आरती भक्ति की गई। उसके पश्चात निर्शंका जैन, राखी जैन, नीतू जैन के संयोजन में जैन हाउजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें की जिसमें सभी ने बड़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में राहुल जैन, विशाल जैन जोली, आलोक जैन बांबी, सौरभ जैन, अनंत कुमार जैन, सुनील जैन नौगांव, प्रशांत जैन, नीरज जैन, मनोज जैन ग्वालियर, गौरव उपवन, आदेश जैन, प्रमोद जैन, विमल जैन आदि उपस्थित रहे।

हम वक्रता, कुटिलता, एवं मायाचार को छोड़कर ऋजुता, सरलता, अवक्रता को अपनायें, आर्जव धर्म को मार्ग निर्देशक बनायें

और उसके द्वारा निर्देशित मार्ग पर ही चलें ऐसा करने से शीघ्र ही अन्दर में छिपे परमात्मा को हम पा सकते हैं।

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। शहर के भोगांव मार्ग पर पवनसुत हनुमान मन्दिर मे चल रही राम कथा के सातवें दिन आचार्य अतुलकृष्ण जी महाराज ने बताया जब जटायु नासिक के पंचवटी में रहते थे तब एक दिन आखेट के समय महाराज दशरथ से उनकी मुलाकात हुई और तभी से वे और दशरथ मित्र बन गए। वनवास के समय जब भगवान श्रीराम पंचवटी में पुर्णकुटी बनाकर रहने लगे, तब पहली बार जटायु से उनका परिचय हुआ। भगवान श्रीराम अपने पिता के मित्र जटायु का सम्मान अपने पिता के समान ही करते थे।

उन्होंने कथा सुनाते हुए आगे कहा कि रावण जब सीताजी का हरण कर लेकर गया तब सीताजी का विलाप सुनकर जटायु ने रावण को रोकने का



प्रयास किया, लेकिन अंत में रावण ने तलवार से उनके पंख काट डाले। जटायु मरणासन होकर भूमि पर गिर पड़े और रावण सीताजी को लेकर लंका की ओर चला गया। सीता की खोज करते हुए राम जब रास्ते से गुजर रहे थे तो उन्हें घायल अवस्था में जटायु मिले। जटायु मरणासन थे। जटायु ने राम को पूरी कहानी सुनाई और यह भी बताया रावण किस दिशा में गया है। जटायु के मरने के बाद राम ने उसका वहीं अंतिम संस्कार और पिंडदान किया। कितनी बड़ी बात है एक गिद्ध जो मांसाहारी है वो भारत का वीर है जो रावण जैसी

ताकत के सामने छाती ठोक कर खड़ा हो गया। ऐसे वीरों का देश है ये भारत देश। इसके बाद भगवान राम ने मां सबरी के झूठे बेर का भोग लगाया। आचार्य ने कहा राजा की प्रजा दुखी है तो वो राजा भी दुखी है। राजा सोया रहेगा तो प्रजा जागेगी नहीं। विश्वव्याप्य विश्व कवि हैं, वाल्मीकि वसुंधरा कवि, तुलसी सियाराम कवि और दिनकर राष्ट्र कवि हैं। केवल राम पर विश्वास करो। साहित्य सखा और मित्र हैं। सत्यव्रत रखो, मौन व्रत रखो। कथा में परिक्षित प्रदीप मिश्रा, गीता मिश्रा, शरीवदित्य दुवे, वॉवी मिश्रा, पन्तू पाण्डेय, सौरभ मिश्रा, रतनेश मिश्रा, दिनेश दुवे, राजीव मिश्रा, आनन्द मिश्रा, गणेश मिश्रा, गिरजाशंकर मिश्रा, उमाशंकर मिश्रा, गौतम पाठक, शिवेंद्र मिश्रा, नितिन मिश्रा आदि के भक्तगण उपस्थित रहे।

त्यौहार पर नई परंपरा डालने पर होगी कड़ी कार्रवाई

शांति समिति की बैठक में तहसीलदार ने दिए निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

किशनी/मैनपुरी। आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारों को लेकर शनिवार को थाना परिसर पर सभ्रान्तजनों के साथ एक पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पहुंचे तहसीलदार घासीराम ने बैठक में भाग लेकर दिशा निर्देश दिए।

तहसीलदार घासीराम ने कहाकि इस समय गणेश चतुर्थी का पर्व चल रहा है व आने वाले दिनों में बारावफात के आयोजन होने हैं। दोनो धर्म के लोग यह निश्चित तय कर लें की कोई भी नई परंपरा नहीं डालने दी जाएगी। गणेश महोत्सव पहले से जहा स्थापित हुए हो वही पर स्थापित करे और बारावफात के जुलूस भी जहाँ पहले निकले हों वही से



निकालें। त्यौहार भाईचारे के साथ मनाएं पुलिस बल सभी जगह मौजूद रहेगा। गणेश महोत्सव में विसर्जन के दौरान नहरों पर पुलिस मौजूद रहेगी, साथ ही कुम्होल में लगने वाले मेले में भारी पुलिस बल मौजूद है।

प्रभारी निरीक्षक ललित भाटी ने कहाकि इस समय गांव में ड्रोन उड़ने को लेकर अफवाह चल रही है जिससे जनमानस बेवजह

शादी का झांसा देकर बनाएं युवती से शारीरिक संबंध

अब शादी से किया इंकार, इंस्टाग्राम पर युवती से हुई दोस्ती

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली युवती का वर्ष 2022 में इंस्टाग्राम के जरिए टूंडला निवासी युवक से संपर्क हुआ। फोन पर बातचीत हुई और कुछ ही दिनों में प्यार परवान चड़ गया। युवती का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर संबंध बनाए, मगर अब शादी करने से मना कर रहा है। एसपी कार्यालय में शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़िता ने प्रार्थना पत्र में कहा है कि 10 अक्तूबर 2022 को उनके पास एक फोन आया, फोन करने वाले युवक ने कहा कि इंस्टाग्राम पर आपकी फोटो देखी। वह दोस्ती करना चाहता है। मना करने के बाद भी वह फोन करने लगा। कुछ दिन बाद वह भी बात करने लगी और इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती प्यार में बदल गई। युवक उसे कई बार टूंडला चुमाने के लिए भी ले गया। 13



अप्रैल 2025 जब माता पिता पर पर नहीं थे, तभी युवक घर पर आया और राधा रमन रोड स्थित एक होटल में ले गया।

वहां गलत काम करने की कोशिश की। मना करने पर कहा कि वह शादी करेगा, इसके बाद मना करने के बाद भी जबरदस्ती गलत काम किया। इसके बाद कई बार शादी के लिए कहा, मगर वह टालमटोल करने लगा। अब वह जातिसूचक गालियां देते हुए शादी करने से साफ मना कर रहा है। युवती की शिकायत को एसपी कार्यालय से कोतवाली पुलिस को जांच के लिए भेजा गया है।

एडीएम की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, दुर्घटनाओं की रोकथाम पर जोर

9 ब्लैक स्पॉट्स पर सुधार कार्य जारी, सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान तेज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से अपर जिलाधिकारी नगर अमित कुमार भट्ट की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों के पालन, स्कूल-कॉलेजों में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने और चिन्हित दुर्घटनाजन्य ब्लैक स्पॉट्स को दुरुस्त कराने, सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा, ट्रॉमा सेंटर की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आमजन की सहभागिता से ही संभव है।

बैठक में बताया गया कि जिले में चिन्हित 9 ब्लैक स्पॉट पर सुधार कार्य किए जा रहे हैं। ट्रॉमा सेंटर को जिला अस्पताल से जोड़ा गया है और 108 एंबुलेंस सेवा 24 घंटे उपलब्ध है। जनवरी 2024 से



2024-25 में सड़क हादसों में वृद्धि, मृतक संख्या घटाने को प्रशासन सतर्क

जुलाई 2025 तक सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा प्रस्तुत की गई, जिसमें दुर्घटनाओं की संख्या में बढ़ोतरी देखी गई है। वर्ष 2024 में 547 एवं वर्ष 2025 जुलाई तक में 676 दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। मृतकों की संख्या कम करने के लिए विभागों को विशेष सतर्कता बरतने

के निर्देश दिए गए। सारसोल चराहे को अस्थाई बैरियर लगाकर लेफ्ट फ्री करते हुए यातायात पुलिस की भी ड्यूटी लगाई जा रही है। एडीएम ने एआरएम को निर्देशित किया कि बसों को सड़क पर खड़ा करके यात्रियों को चढ़ाया-उतारा न जाए, इससे जाम की समस्या बनती है। बौनेर तिराहे पर ड्यूटी लगाते हुए बसों का निर्धारित रूट से ही शहर में प्रवेश दिलाया जाए। एनएचआई को निर्देशित किया गया कि अवैध कट को बंद किया जाए। यातायात

पुलिस द्वारा निरंतर चैकिंग एवं चालान की कार्रवाई, नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाने और निर्माण विभाग द्वारा सड़क किनारे बैरिकेडिंग व डाइवर्जन बनाने की कार्यवाही की गई। स्कूलों, कॉलेजों एवं सार्वजनिक स्थलों पर सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में आमजन से यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की गई।

डीएम का कड़ा आदेश: बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं गड़ों और अतिक्रमण पर होगी सख्त कार्रवाई

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में शहर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और सुरक्षा मानकों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने ओवरस्पीडिंग, वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना सीट बेल्ट और बिना हेलमेट वाहन चलाने जैसी दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों पर गंभीर चिंता जताई। बैठक में बताया गया कि जिन चालकों ने हेलमेट पहना था, वहां दुर्घटना में मृत्यु की संभावना कम पाई गई।

इसी दृष्टि से 01 से 30 सितम्बर तक नो हेलमेट-नो फ्यूल का विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को नोटिस और निर्देश जारी करने, शासनादेश का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने और बिना हेलमेट वाहन चलाने को पेट्रोल देने पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अभियान



की प्रभावी मॉनीटरिंग सुनिश्चित करने की भी आदेश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने शहर की सड़कों पर गड्ढा मुक्ति अभियान की शिथिलता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी गड्ढों को तत्काल भरने और बरसात समाप्त होने के बाद पूर्ण सड़क निर्माण कराने तथा संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने के सख्त निर्देश दिए। ग्यालियर रोड और एनएच-19 पर पीडब्ल्यूडी एवं जिला पंचायत द्वारा नालों के ऊपर किए गए स्थाई व पक्के निर्माण पर अतिक्रमण करने

वालों को 15 दिन में नोटिस जारी करने, अनुपालन न होने पर पक्के निर्माण तोड़ने और प्रभावी अतिक्रमण मुक्ति अभियान चलाने के आदेश दिए गए। एमजी रोड पर मेट्रो निर्माण के कारण मार्ग संकरा होने और पेट्रोल पंपों द्वारा गलत दिशा से आने वाले वाहनों को पेट्रोल दिए जाने की शिकायत पर भी जिलाधिकारी ने कड़े निर्देश दिए। बैठक में तुलनात्मक आंकड़ों की समीक्षा में बताया गया कि जनवरी से जुलाई 2025 तक सड़कों पर 449 मौतें हुईं, जबकि जनवरी से जुलाई

2024 में 323 मौतें हुई थीं, जिसमें 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक्सप्रेस-वे पर 21, नेशनल हाइवे पर 108, स्टेट हाइवे पर 26, एमडीआर पर 44, ओडीआर पर 224 और वीआर पर 26 मौतें हुईं। जुलाई 2025 में डेवलपमेंट एंड एक्सीमेंटेशन ऑफ इंडीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डाटाबेस (कमठऊ) के अनुसार जनपद में 78 एक्सीडेंट दर्ज किए गए।

बैठक में शासनादेश के तहत यह भी बताया गया कि सड़क दुर्घटना के समय घायलों को गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाने और मदद करने वाले व्यक्ति को 25,000 रुपये का इनाम दिया जाएगा, उसकी पहचान गुप्त रखी जाएगी और पुलिस द्वारा उससे कोई भी अनावश्यक पूछताछ नहीं की जाएगी। बैठक में एआरटीओ प्रवर्तन आलोक अग्रवाल, ललित कुमार, आरएम रोडवेज बीपी अग्रवाल, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी राघवेंद्र सिंह वर्मा, बीएसए जितेंद्र कुमार गौड़, जिला आबकारी अधिकारी कृष्णपाल यादव, एनएचआई और स्कूल प्रबंध समिति के प्रधानाचार्य समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत वितरित किए गए टैबलेट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत अलबरकात इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन में बी.एड. विद्यार्थियों हेतु टैबलेट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अमित कुमार भट्ट, एडीएम सिटी, अलीगढ़ ने तकनीक सक्षम शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। ओमप्रकाश शर्मा, एडीओ अलीगढ़ ने योजना को डिजिटल खाई मिटाने वाला कदम बताया। इस अवसर पर डॉ. अहमद मुन्तबा सिद्दीकी, संयुक्त सचिव, अलबरकात एजुकेशनल सोसाइटी, नबील अशफक, निदेशक, अलबरकात एजुकेशनल इंस्टिट्यूट्स और डॉ. एफ.यू. सिद्दीकी, सम्पन्धिक अलबरकात एजुकेशनल इंस्टिट्यूट्स, ने योजना की



सराहना की। डॉ. रुबाइना शहनाज, प्राचार्य अलबरकात इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि टैबलेट विद्यार्थियों की शिक्षा और व्यावसायिक तैयारी को सशक्त

करेंगे। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों को टैबलेट वितरण के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में शिक्षण एवं गैरशिक्षण स्टाफ का पूर्ण योगदान प्राप्त हुआ।

ताजमहल में पर्यटक बच्चे के फिसलने पर ताज सुरक्षा पुलिस ने तुरंत पहुंचाया अस्पताल

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। कैटोनमेंट एरिया आगरा के केवी लाइन से ताजमहल देखने आई महिला पर्यटक नीतू कुमारी के 4 वर्ष के बेटे, निशांत कुमार पुत्र रितेश कुमार, को ताजमहल के पश्चिमी गेट से बाहर आने के बाद रास्ते में बने पिलर से टकराकर गिर जाने से चोट आ गई। गिरने के कारण बच्चे को हल्की ब्लॉडिंग शुरू हो गई, जिसे देखकर उसकी मां घबरा गई। इस दौरान ताजमहल के पश्चिमी गेट पर तैनात थाता ताज सुरक्षा पुलिस की क्विक रिएक्शन टीम को घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचकर बच्चे की मां को सांत्वना दी और अपने पास बुलाया। प्रभारी निदेशक सुरक्षा थाता ताज सुरक्षा तिलक राम भाटी के निर्देशन में ताजमहल पश्चिमी पार्किंग पर्यटन सुविधा केंद्र से डॉक्टर रिंकू बघेल



और एंबुलेंस चालक भूरे सिंह को बुलाया गया। डॉक्टर ने मौके पर ही बच्चे को प्राथमिक उपचार दिया और तत्पश्चात से उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे बच्चे को तत्काल राहत मिली। परिजनों ने ताज सुरक्षा पुलिस की तत्परता और जिम्मेदार रवैये के लिए आभार व्यक्त किया। पुलिस टीम में उप निरीक्षक शिवराज सिंह, मुख्य आरक्षी महेश चंद्र, मुख्य आरक्षी दिलीप कुमार और महिला आरक्षी पूजा शर्मा शामिल थे, जिन्होंने इस मामले में तेजी और सावधानी से कार्रवाई की।

छोटी खबरें

सिंचाई बन्धु की बैठक 09 सितम्बर को

अलीगढ़। अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह की अध्यक्षता में 09 सितम्बर को पूर्वाह्न 11:00 बजे से विकास भवन स्थित सभागार में सिंचाई बन्धु की बैठक आयोजित की जाएगी। अधिशासी अभियंता एवं सचिव सिंचाई बन्धु ने उक्त जानकारी देते हुए सभी किसान भाईयों से आग्रह किया है कि वह निर्धारित तिथि पर अधिक से अधिक संख्या में बैठक में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं एवं अपनी सिंचाई से सम्बन्धित समस्याओं व मांगों के सम्बन्ध में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों कर्मचारियों को सुचित करना चाहें।

एटीएम से रुपये चोरी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पदार्पण, पांच बदमाश गिरफ्तार

आगरा। एटीएम मशीन से छेड़छाड़ कर ग्राहकों के रुपये निकालने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह को थाता कमलानगर पुलिस ने बेनकाब कर दिया है। पुलिस ने जनक पार्क के पास दहशत देकर गैंग के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया, जिनके पास से नकदी, मोबाइल फोन, अवैध तम्बाकू, एटीएम कार्ड, कार और छेड़छाड़ में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए गए हैं। यह गिरोह आगरा सहित अन्य जिलों में घूम-घूमकर वारंटों को अंजाम देता था और पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। मामले का खुलासा तब हुआ जब 20 अगस्त को केनरा बैंक की मुख्य शाखा के कर्मचारी ने थाता कमलानगर में सूचना दी कि बैंक की सीसीटीवी फुटज की जांच के दौरान संदिग्ध गतिविधियां सामने आई हैं। फुटज में दिखा कि 14 अगस्त की शाम को दो युवक एटीएम मशीन को खोलकर उसमें काली प्लास्टिक की पट्टी लगा रहे हैं, जिसके कारण ग्राहक द्वारा निकाली गई रकम मशीन के दरवाजे और बेल्ट के बीच फंस जाती थी।

नए निर्माण के लिए प्राधिकरण का नक्शा जरूरी लेकिन पुराने अवैध निर्माण पर कार्यवाई कब?

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। विकास प्राधिकरण के द्वारा किए गए नए निर्माण के लिए प्राधिकरण से संबंधित निर्माण का नक्शा पास कराना अति आवश्यक कर दिया गया है। जिसके बिना कोई भी निर्माण अवैध माना जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल यह उठता है कि शहर में चारों ओर किए गए बिना नक्शे के अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के नाम पर सिर्फ और सिर्फ नोटिस भर की खाना पूर्ति क्यों की जाती है ? पिछले कुछ दिनों में दर्जनों की संख्या में बेसमेंट में चल रहे अवैध प्रतिष्ठानों के विरुद्ध शिकायतों में कोई अलीगढ़ विकास प्राधिकरण में की गई, जिनमें प्राधिकरण के द्वारा प्रतिष्ठानों को खाली करने का नियत समय भी दिया गया। लेकिन उसके बाद भी नियत समय निकलने पर भी अभी तक वही प्रतिष्ठान संचालित



किये जा रहे हैं। और तो और दिल्ली में पिछले वर्ष हुई कोचिंग सेंटर की दिल दहला देने वाली घटना जिसमें कोचिंग सेंटर में बारिश का पानी भरने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी, उसके बाद भी अलीगढ़ विकास प्राधिकरण की आंखें नहीं खुली है। रामघाट रोड पर ही अकेले दर्जनों की संख्या में नर्सिंग होम और निजी अस्पताल बेसमेंट में संचालित हो रहे हैं, जिनमें आईसीयू, एक्सरे, अल्ट्रासाउंड से लेकर मेडिकल स्टोर और ओपीडी भी संचालित की जा रहे हैं। ऐसा भी नहीं है कि यह सब कुछ चोरी छुपे संचालित हो रहा है। आश्चर्य की बात है यह है कि अलीगढ़ विकास प्राधिकरण का

जिला कार्यालय भी रामघाट रोड पर स्थित है और कार्यालय से चंद कदमों की दूरी पर ही कई प्रतिष्ठान बेसमेंट में संचालित हो रहे हैं जिनमें कई मार्केट की तो पार्किंग को बंद करके उनमें रेस्टोरेंट संचालित किये जा रहे हैं। नतीजा यह होता है कि जब मार्केट की पार्किंग में ही प्रतिष्ठान बना दिए गए हैं तो पार्किंग तो सड़कों पर होगी और अतिक्रमण भी होगा। एक तरह से स्वयं प्राधिकरण के द्वारा ही अतिक्रमण को बढ़ावा दिया जा रहा है। क्योंकि संचालित हो रहे हॉस्पिटल, नर्सिंग होम और प्रतिष्ठानों के पास ना तो अपनी पार्किंग व्यवस्था है और ना ही वैध निर्माण।

नकली और अवैध दवाओं के सिंडिकेट पर बड़ा हमला जिलाधिकारी ने दिया समेकित कार्रवाई का आदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

आगरा। जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय एनसीसीओआरडी कमेटी और नशामुक्ति रोकथाम समिति की बैठक एवं अंतर विभागीय कार्यशाला कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला में नकली और अवैध दवाओं के संगठित कारोबार को प्रभावी तरीके से तोड़ने के लिए 15 से अधिक विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। पूर्व डीजीपी गुजरात और फॉरेंसिक कंसल्टेंट केशव कुमार ने कार्यशाला में प्रेजेंटेशन देते हुए बताया कि नकली और नशीली दवाओं का कारोबार न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे भारत में तेजी से फैल रहा है। उन्होंने कहा कि जब भी रैकेट पकड़ा जाता है, केवल संबंधित विभाग कार्रवाई करता है, जिससे



दोष सिद्धि नाकामी होती है। केशव कुमार ने समझाया कि इस कारोबार में संलिप्त आरोपियों द्वारा आधुनिक तकनीक और विभिन्न उपायों का प्रयोग किया जाता है। उन्होंने एक्सपायर दवाओं और पैकड खाद्य पदार्थों की एक्सपायरी डेट बदलने, ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम, डिजिटल ऑटोप्सी और भुगतान प्रक्रिया जैसे कई पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाला में यह तय किया गया कि संबंधित विभागों जैसे ड्रा, पुलिस, नगर निगम, जीएसटी, श्रम विभाग, आयकर और खाद्य औषधि प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित

कर संयुक्त कार्रवाई की जाए, जिससे आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय में दोष सिद्धि की संभावना बढ़ाई जा सके। जिलाधिकारी ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नकली और नशीली दवाओं के विरुद्ध समेकित और प्रभावशाली कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा कार्यशाला में हुए मंथन के आधार पर एक एसओपी तैयार की जाए। बैठक में पुलिस विभाग ने एनडीपीएस अपराध और आबकारी विभाग ने अवैध शराब तस्करी के मामलों की समीक्षा प्रस्तुत की।

एमयू के स्कूलों में राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस 2025 पर विभिन्न विभागों और विद्यालयों द्वारा जोश और उत्साह से भरे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन अवसरों के माध्यम से हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी गई और फिटनेस, टीम भावना तथा खेल भावना जैसे मूल्यों को बढ़ावा दिया गया। होम साइंस विभाग ने दो दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए। 29 अगस्त को विभागध्यक्ष प्रो. सबा खान ने विद्यार्थियों से बातचीत की और अनुशासित तथा स्वस्थ जीवन में खेलों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसके बाद फिट इंडिया प्रतियोगिताएं शुरू हुईं। 30 अगस्त को खेलने की, खिले भी नारे के साथ पारंपरिक खेल व प्रतियोगिताएं जैसे खो-खो, 50 मीटर दौड़ और गिट्टी का आयोजन हुआ। सैयद हमीद सीनियर सेकेंडरी स्कूल (बायज) में विशेष सभा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। स्कूल शिक्षा निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर प्रो. मोहम्मद आज़म खान ने छात्रों से



स्क्रीन टाइम कम करने और अधिक से अधिक बाहरी खेलों में भाग लेने की अपील की। शारीरिक शिक्षा विभाग के डॉ. मोहम्मद अरशद बारी ने मेजर ध्यानचंद के जीवन और उपलब्धियों पर विशेष व्याख्यान दिया। इंटर-हाउस प्रतियोगिताओं में भगत सिंह राइडर्स ने बास्केटबॉल, डॉनबॉल और इन एंड आउट में जीत हासिल की, जबकि जफर इकबाल सिंघस तीनों मुकाबलों में उपविजेता रहे। सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) में तीन दिवसीय कार्यक्रम को शुरुआत सभाओं और खेल प्रतियोगिताएं हुईं। उत्साहपूर्ण रसाकशी मुकाबले में बेगम हजरत महल हाउस ने साइना नेहावाल ब्रिगेड को हराया। पीएचई

लैब में योग प्रतियोगिता का पहला पुरस्कार ऋद्धिमा ने जीता, जबकि इनायत और निदा खान क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। मरियम को सात्वना पुरस्कार मिला। 30 अगस्त को खेलें हुए खो-खो मुकाबले में मैरी कॉम राइजिंग स्टार्स ने सानिया मिर्जा स्पोर्ट्स को हराया। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में जईमा अर्श प्रथम रहीं, जबकि संजना क्रमशः और शशी अग्रवाल को क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान मिला। मेजर ध्यानचंद पर भाषण प्रतियोगिता में अनम फातिमा प्रथम रहीं, नबीहा सिद्दीकी और खुशी गौतम संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर, जबकि जुनैरा तीसरे स्थान पर रहीं। एएम्स्यू एबीके हाई स्कूल

(गर्ल्स) में योग, रस्सी कूद, क्रिकेट और साइकिलिंग जैसी गतिविधियां हुईं। रस्सी कूद में छात्राओं ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया, जबकि क्रिकेट मैच ने गहरी दिलचस्पी जगाई। कार्यक्रम के अंत में उप-प्रधानाचार्य डॉ. सबा हसन ने विजेताओं को पदक और ट्रॉफियां प्रदान कीं। प्राथमिक खंड में बोरी दौड़, चम्मच दौड़, रिले और 50 मीटर दौड़ जैसे खेल आयोजित किए गए, जिनमें हाउस इंचारेंज ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। एएसटीएस स्कूल में इंटर-स्कूल टेबल टेनिस टूर्नामेंट और विभिन्न खेल आयोजित हुए। उद्घाटन प्रो. मोहम्मद आज़म खान ने किया। आदित्य सिंह (एसटीएस स्कूल) ने टेबल टेनिस खिताब जीता, जबकि वंश कुमार (एसटीएस स्कूल) उपविजेता रहे और फैसल अहमद तथा उप-प्राचार्य अलका अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुए। विजेताओं को प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

छात्रों को खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। एएमयू सिटी गर्ल्स हाई स्कूल की छात्राओं ने मेजर ध्यानचंद के जीवन पर आधारित एक नाटक प्रस्तुत किया। नींबू-चम्मच दौड़, रिले, गतिशील दौड़, साइकिलिंग और तीन-पैर दौड़ जैसे खेलों का आयोजन हुआ। साथ ही खो-खो और रस्साकशी प्रतियोगिताएं भी हुईं। शिक्षकों ने भी म्यूजिकल चेयर्स खेल में भाग लिया। रंगारंग पुरस्कार वितरण समारोह में विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र दिए गए। एएमयू गर्ल्स स्कूल में छात्राओं ने इंटर हाउस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। खो-खो, हॉकी, क्रिकेट, टेबल टेनिस और योग के साथ-साथ पोस्टर मेकिंग और नारा लेखन प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं, जिनका विषय था एक घंटा खेल के मैदान में। इन कार्यक्रमों का संचालन मोहम्मद हमसन खान ने किया और प्राचार्य आमना मलिक तथा उप-प्राचार्य अलका अग्रवाल के मार्गदर्शन में हुए। विजेताओं को प्रमाणपत्र और पुरस्कार प्रदान किए गए।

सतत विकास और उच्च शिक्षा की भूमिका पर डा. सोनी सिंह ने दिया व्याख्यान

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय, एमजी मोट फंडेशन एवं रायल सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चर द्वारा 21 दिवसीय एफडीपी कम ट्रेनिंग कार्यक्रम अन्नदाता-2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मंगलायतन विश्वविद्यालय की बायोटेक्नोलॉजी एवं लाइफ साइंसेज विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. सोनी सिंह ने इंटीग्रेटिंग सस्टेनेबिलिटी एंड हायर एजुकेशन फॉर सोसायटल ट्रांसफॉर्मेशन विषय पर अपना व्याख्यान दिया।



लक्ष्यों को सीधे शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में सतत विकास की बात कृषि के बिना अधूरी है। कृषि क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल खेती को उन्नत बनाने में मदद कर रहा है। सेंसर आधारित सिंचाई प्रणाली, ड्रोन टेक्नोलॉजी, स्मार्ट मॉनिटरिंग और डेटा एनालिटिक्स से कृषि उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। अपने व्याख्यान में उन्होंने नमो दीदी योजना का उल्लेख करते

हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने, कृषि क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है। सतत विकास की यात्रा केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी को इसमें सक्रिय भागीदार बनना होगा। क्योंकि जिस तेजी के साथ प्राकृतिक संसाधन का दोहन हो रहा है उससे हमारी आने वाली पीढ़ी पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी सोचना पड़ेगा।

लक्खी मेले में आज होगा विशाल रसिया दंगल



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। 114वें प्रांतीय लक्खी मेला श्री दाऊजी महाराज के मेला पंडाल में होने वाले विशाल रसिया दंगल की जानकारी प्रेस वार्ता में संयोजक अशोक गोला ने दी। कार्यक्रम 31 अगस्त को रात्रि 9 बजे से शुरू होगा, जिसमें जिले के सभी जनप्रतिनिधि और प्रमुख लोग शामिल होंगे इस मौके पर विप अखाड़ा और रामा दल अखाड़ा के बीच जंगी मुकाबला होगा। वेंसमा से रामवीर सिंह प्रधान और बनवारी लाल शर्मा के बीच होने वाला यह रसिया दंगल मुख्य आकर्षण रहेगा। कार्यक्रम के प्रमुख संरक्षक पालिकाध्यक्ष श्वेता चौधरी, पूर्व सांसद राजेश दिवाकर, भाजपा जिला महामंत्री रुणेश उपाध्याय सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। आयोजकों ने जनता से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाएं।

आर्य समाज शिविर का आज होगा भव्य शुभारंभ

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। 114वें राजकीय मेला श्री दाऊजी महाराज में संचालित आर्य समाज शिविर का 31 अगस्त को सुबह 8 बजे हवन यज्ञ के साथ भव्य शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर वीर शिरामोणि महाराणा प्रताप एवं राणा सांगा की चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन विधायक सिकंदराराऊ भा. वीरेंद्र सिंह राणा करेंगे। आयोजकों ने जिले की समस्त धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर हवन, यज्ञ और सत्संग का लाभ लेने का आह्वान किया है।

जनसत्ता दल के अक्षय प्रताप सिंह से सक्रिय कार्यकर्ताओं ने की शिष्टाचार भेंट

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) विधान परिषद सदस्य अक्षय प्रताप सिंह से हाथरस लहरा रोड स्थित श्री बांके बिहारी मंदिर में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ समीक्षा बैठक से पूर्व तहसील सासनी पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने पीडब्ल्यू गेस्ट हाउस में पार्टी के राजेश तोमर के नेतृत्व में एक शिष्टाचार भेंट की। शनिवार को शिष्टाचार भेंट के दौरान कार्यकर्ताओं ने अक्षय प्रताप सिंह को साफ़ा बांधकर तलवार भेंट कर सम्मानित किया। वहीं अक्षय प्रताप सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी मजबूत करने के लिए अह्वान किया। उन्होंने कहा कि निस्वर्तीय पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव हमारी पार्टी पुरे प्रदेश में लड़ेंगी। हम अपनी तैयारी खुद कर रहे हैं और किसी पर निर्भर नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने तय किया है कि प्रदेश के सभी जिलों में पंचायत चुनाव में प्रत्याशी उतारा जाएगा। योगी सरकार के कामकाज को लेकर उन्होंने कहा कि हम उनके सभी कार्यों से सहमत नहीं हैं। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। कृषि यंत्र महंगे हो गए हैं और महंगाई बढ़ रही है। सरकार को इसे नियंत्रित करना चाहिए। इस दौरान अजय चेशरी, रवेन्द्र चेशरी, जितू चेशरी, बांके बिहारी, दास, प्रेम पाल सिंह, मोहन चेशरी, भोलू चेशरी, देवेन्द्र सिंह तोमर, कुशल तोमर, कैपी तोमर, मुकेश वाण्येय, जगवीर सिंह, सुदेश पुण्डीर, आदि मौजूद थे।

विद्यापीठ इंटर कालजे में खेल दिवस पर हुई प्रतियोगितायें

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। शासन के आदेशानुसार खेल दिवस पर ववापीठ इंटर कॉलेज सासनी हाथरस में प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशन विद्यालय में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें छात्र-छात्राओं ने खो खो, कबड्डी, रस्सकसी, तथा साइकिलिंग में धीमी चाल की प्रतियोगिता हुई। शनिवार को आयोजित प्रतियोगिताओं में धीमी चाल साइकिलिंग में कक्षाओं 9, 10, 11, 12 में कक्षा 12 के छात्र रवि प्रथम रहे। वहीं छह, सात और आठ में कक्षा 6 के रेशा प्रथम रहे तथा अध्यापक वर्ग में प्रधानाचार्य डॉ राजीव कुमार अग्रवाल धीमी चाल साइकिलिंग में प्रथम रहे। इस अवसर पर अरुण कुमार कौशिक, संजय कुमार, राजीव कुमार, भारत सिंह, प्रियंका, विनय कुमार, नीरज गुप्ता, अशोक कुमार, महेंद्र प्रकाश सेन, मुकेश दिवाकर, हनी वशिष्ठ, शिवम कुशवाहा, यश कुशवाहा, जितेंद्र कुशवाहा तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रूदायन रोड पर युवक का शव मिला, फैली सनसनी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सासनी-रूदायन मार्ग पर अंग्रेजी शराब के टेका के निकट एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के शव को देखने लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर चचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं मृतक की पहचान अनिल पाठक पुत्र केशवदेव पाठक निवासी विधेपुर के रूप में हुई है। शनिवार को सासनी-रूदायन रोड पर जब लोगों ने सुबह पांच बजे करीब एक लगभग एक पैंतीस वर्षीय युवक को शव देखा तो लोगों में खलबली मच गई। और यह बाज क्षेत्र में जंगल की आग की तरह फैल गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर काफी देर तक शिनाख्त के लिए रखा, वहीं मृतक की पहचान अनिल पाठक पुत्र केशवदेव पाठक निवासी विधेपुर के रूप में होने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गये। परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

माँ पीताम्बरा सेवार्थ फाउण्डेशन (रजि०) का भव्य शुभारम्भ आज ,सामाजिक कार्य करेगा फाउडेशन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। माँ पीताम्बरा सेवार्थ फाउण्डेशन (रजि०) का भव्य शुभारम्भ 31 अगस्त को श्री राधा अष्टमी के पावन दिवस पर किया जायेगा। कार्यक्रम मेमूँड गेट पुलिस चौकी स्थिति महानन धर्मशाला में आयोजन किया रहा है। कार्यक्रम में फाउंडेशन के कार्यकारिणी सदस्यों को मनोनय पर एवं सम्मानित किया जायेगा।भव्य शुभारंभ कार्यक्रम को लेकर समस्त तेवारियों पूर्ण कर ली गई है। जानकारी देते हुये फाउंडेशन के अध्यक्ष पं० हिमांशु मिश्र ने बताया कि माँ पीताम्बरा की प्रेरणानुसार स्व० पं० रामकिशोर मिश्र एवं स्व० पं० श्री रमेशचन्द्र मिश्र की स्मृति में माँ पीताम्बरा सेवार्थ फाउण्डेशन का गठन किया गया है। फाउंडेशन का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करना है। इसके साथ ही फाउंडेशन द्वारा अनाथ बच्चों के लिये शिक्षा की व्यवस्था कराना समय-समय पर प्रयादी और भण्डारे की व्यवस्था।क्षतिग्रस्त मन्दिरों को पुनः जीर्णोद्धार कराना करने के साथ पशुओं के लिये आहार व्यवस्था करना भी है। उन्होंने कहा कि राधा अष्टमी से फाउंडेशन अपना कार्य प्रारंभ कर देगा। इस अवसर पर फाउंडेशन के कार्यकारिणी सदस्यों को मनोनय पर सौचकर सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद का वितरण भी किया जायेगा।

दाऊजी महाराज मेले में हाथरस का इतिहास कार्यक्रम आयोजित

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। श्री दाऊजी महाराज के मेले में रिसीवर कैप में हाथरस का इतिहास कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी संयोजिका कवयित्री बहन श्रीमती मनु दीक्षित रही। कार्यक्रम में वक्ताओं और कवियों द्वारा हाथरस के इतिहास पर प्रकाश डाला गया तथा विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे गए। सही उत्तर देने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल पहनकार और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री रामेश्वर उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय मंत्री श्रीमती डॉली माहौर, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त विक्रमादित्य, समाजसेवी रामगोपाल दीक्षित, विजय सिंह प्रेमी, बासुदेव माहौर व कवयित्री मीरा दीक्षित सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।इस अवसर पर कवयित्री मनु दीक्षित और सुनील दीक्षित ने सभी अतिथियों व कवियों को पट्टिका पहनकर प्र प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध राष्ट्रकीर्ति अनिल बोहरे ने किया।

मायके वालों से बात करने पर पत्नी की नाक काटी

मुरादाबाद में धमकाया- हजार बार मना किया, नहीं मान रही थी...अब झेलो

मुरादाबाद

मुरादाबाद में कारीगर ने चाकू से अपनी पत्नी की नाक काट दी। वजह इतनी थी कि पत्नी मायके वालों से बात करती थी। आरोपी ने उसे कई बार मना किया, लेकिन पत्नी मान नहीं रही थी। 3 दिन पहले पति से झगड़ा कर मायके चली गई थी।

शनिवार सुबह वह बेटी के कपड़े लेने घर पहुंची। उसे देखकर आरोपी पति भड़क गया। उसने उसकी नाक चाकू से काट दी। पत्नी के मुताबिक, हमला करने के बाद आरोपी ने उसे धमकाया। कहा- हजार बार मना किया था, मायके से बात मत करो। नहीं मान रही थी तो अब झेलो। धमकाने के बाद आरोपी पति वहां से भाग गया। पत्नी कपड़े से नाक को दबाकर मायके पहुंची। परिजन उसे मुरादाबाद जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे नाजुक हालत में हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना मुरादाबाद के मैनाठेर मोहल्ले की है। आरोपी का ससुराल और घर इसी मोहल्ले में है। मैनाठेर कस्बे में रहने वाला 45 साल का चांद



मोहम्मद पेशे से पॉलिश कारीगर है। वह एक एक्सपोर्ट फैक्ट्री में पीतल पॉलिश का काम करता है। 7 साल पहले उसकी शादी कस्बे में ही रहने वाली राबिया के साथ हुई थी। शादी के बाद बच्चा न होने पर दंपती ने एक बच्ची को गोद लिया। राबिया की मां चंद ने बताया- चांद मोहम्मद बेटी को हम लोगों से बात करने से रोकता था। इसके चलते बेटी और दामाद में अक्सर झगड़ा होता था। तीन दिन पहले भी दोनों का इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। इसके बाद बेटी ससुराल छोड़कर यहां

(मायके) चली आई। गोद ली बच्ची भी उसके साथ थी। शनिवार सुबह 8 बजे राबिया अपने कुछ कपड़े लेने ससुराल आई थी। इस दौरान आरोपी ने बेटी पर हमला कर दिया। बेटी चिल्लाते हुए घर वापस आई। इसके बाद हम लोग उसे अस्पताल ले गए। मेरी बेटी की क्या गलती थी? उसका इतना खून बह गया कि डॉक्टर ने दूसरे अस्पताल भेज दिया। बेटी की हालत ठीक नहीं है। जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राइमरी इलाज के बाद महिला को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में राधाअष्टमी व येलो डे पर हुए कार्यक्रम



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। सिकंदराराऊ के टैगोर इंटरनेशनल स्कूल में राधाअष्टमी व येलो डे पर कार्यक्रम हुये। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व प्रधानाचार्य वीरेंद्र कुमार शर्मा व प्रबंधक किशनवीर सिंह ने माँ सरस्वती को दीप प्रज्वलित कर किया। छोटे छोटे

बच्चों ने बहुत ही सराहनीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये राधाकृष्ण जी की झांकियां प्रस्तुत कीं। सांस्कृतिक नृत्य किया एवं येलो डे पर सभी बच्चे पीले वस्त्र पहनकर आये तथा एक्टिविटी की। सभी प्रोग्राम मनमोहक व प्रशंसनीय रहे। प्रधानाचर्या रंजना कुमार ने सभी प्रतिभागियों की प्रशंसा की और

आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर संध्या जादौन ,सुमन प्रकाश , बुजेश शर्मा, सगुफा अली , दिव्या माहेश्वरी, हुमा सिद्दीकी, सुभमा यादव संजय यादव ,मंजुल माहेश्वरी, ममता सिंह ,अरुनी वाणर्ण्य,प्रकाश वाणर्ण्य ,मनीषा ,कविता,रजनीश, अजीम अहद आदि उपस्थित रहे।

दाऊजी महाराज मेले में विराट कुश्ती दंगल का भव्य आयोजन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। श्री दाऊजी महाराज मेले के प्रांगण में आयोजित विराट कुश्ती दंगल के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. अनुराग शर्मा (उपाध्यक्ष, उच्च शिक्षा परिषद), प्रो. अलौकिक उपाध्याय और भाजपा जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी मौजूद रहे। अतिथियों ने पहलवानों का हाथ मिलवाकर दंगल का शुभारंभ किया।दंगल संयोजक संदीप शर्मा, अध्यक्ष श्यामसुंदर शर्मा बंटी भैया, निदेशक अनिल सिसौदिया, सह संयोजक मदन गोपाल वाण्येय व बुजेश सारस्वत, मुख्य व्यवस्थापक अभिषेक रंजन आर्य, कोषाध्यक्ष यवन चौहान, स्वागताध्यक्ष संतोष शर्मा, सह स्वागताध्यक्ष अभिषेक



अग्रवाल, मीडिया प्रभारी विकास भारद्वाज सहित टीम के अन्य पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों का 21 किलो का हार, चांदी का मुकुट, दुपट्टा और गदा भेंटकर सम्मान किया।अपने अभिषेक रंजन आर्य, कोषाध्यक्ष यवन चौहान, स्वागताध्यक्ष संतोष शर्मा, सह स्वागताध्यक्ष अभिषेक

परंपरा में आने का अवसर मिला है और वे स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दाऊजी महाराज का यह अखाड़ा देशभर में प्रसिद्ध है, जहां बड़े-बड़े पहलवानों ने कुश्ती लड़कर ख्याति अर्जित की है। मंत्री ने दंगल कमेटी को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

लखनऊ में पुलिस और भाजपाइयों में धक्का-मुक्की, महिला बेहोश-राहुल की यात्रा में पीएम को गाली देने पर भड़के

लखनऊ

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान पीएम मोदी को गाली देने के मामले में लखनऊ में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। इसके बाद उनकी पुलिस से धक्का-मुक्की हो गई। इसमें एक महिला कार्यकर्ता बेहोश हो गईं।

दरअसल, भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय को घेराव करने का ऐलान किया था। दोपहर 1.15 बजे तक वीवीआईपी गेस्ट हाउस के पास 150 कार्यकर्ता जुट गए। डेढ़ बजे कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय के लिए कूच किए। इधर, पुलिस ने भाजपाइयों को रोकने के लिए कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय से 100 मीटर पहले बैरिकेडिंग की थी। करीब 50 पुलिसवाले तैनात थे।



जैसे ही भाजपाई नारेबाजी करते हुए पहुंचे, पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद उनकी पुलिस से झड़प हो गई।

कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर राहुल गांधी माफ़ी मांगी, इंडी गठबंधन मुदाबांद जैसे नारे लगाने लगे। इसी बीच भाजपाइयों और पुलिसकर्मियों में धक्का-मुक्की हो

गई। इसमें भाजपा की एक महिला कार्यकर्ता बेहोश हो गईं। 40 मिनट तक पुलिस ने समझा-बुझाकर भाजपाइयों को शांत कराया।

भाजयुमो के महामंत्री अमित त्रिपाठी ने कहा- भाजपा को किसी से भी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। किसी से भी पुछ लीजिए कि सच्चा राष्ट्रभक्त कौन है और इटली

स्वच्छ भारत मिशन पर विकास भवन में हुई समीक्षा बैठक

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय के निदेशों के क्रम में जिला स्वच्छता समिति एवं जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) समिति की बैठक विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी पी.एन. दीक्षित की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-2 के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालय निर्माण व भुगतान, ग्रामों को ओडीएफ प्लस घोषित किए जाने की प्रगति, आरआरसी निर्माण हेतु भूमि चिन्हांकन, शौचालय रेगुलैफिंग, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट की स्थिति, ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा व्यवहार परिवर्तन संबंधी गतिविधियों की समीक्षा की गई।मुख्य विकास अधिकारी ने लंबित प्रकरणों में सुधार लाने, तीन माह से लंबित भुगतान को तत्काल कराने तथा सामुदायिक शौचालय संचालन हेतु केयर टेकर नामित करने के लिए खुली बैठक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पोर्टल पर प्रगति की स्वयं जांच भी की।बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी व एडीओ पंचायत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दाऊजी महाराज मेले में साइबर सुरक्षा पर हुआ काव्यमयी कार्यक्रम



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। श्री दाऊजी महाराज के प्रशासनिक कैप में साइबर सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी एवं फोकस अल्ट्रासाउंड सेंटर के प्रबंधक डॉ. विकास शर्मा ने की। कार्यक्रम का संचालन अशु कवि अनिल बोहरे और एडवोकेट अनुल आधिवाल ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि के रूप में साइबर सेल इंसपेक्टर आशीष कुमार सिंह

रोजगार मेले में 144 अभ्यर्थियों को मिली नौकरी

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। प्रभारी जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा शर्मिष्ठा आहूजा प्राइवेट आईटीआई, परसारा में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में टाटा स्टाइव किकल डेवलपमेंट सेंटर अलीगढ़, पुखराज हेल्थकेयर मथुरा, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस हाथरस, भारतीय जीवन बीमा निगम हाथरस, आदित्य बिरला सन लाइफ इंश्योरेंस, शारदा कंसल्टेंसी, डिस्टिल एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी दिल्ली, वीनस इंडस्ट्रियल कर्पोरेशन पलवल, सैडेन विकास इंडिया प्रा.लि. फरीदाबाद और माचिना प्लास्टिक प्रा.लि. सोनीपत सहित कई कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया।

कंपनियों ने कुल 190 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार कर 144 अभ्यर्थियों को नौकरी का ऑफर दिया। कुछ को मौके पर ही ऑफर लेटर भी प्रदान किए गए।

दाऊजी महाराज लक्की मेले में स्वांग, नौटंकी व पत्रकार सम्मान समारोह



मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। प्रांतीय लक्की मेला श्री दाऊजी महाराज में स्वांग व नौटंकी के साथ पत्रकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सीमा उपाध्याय, विधायक सिकंदराराऊ वीरेंद्र सिंह राणा, भाजपा जिलाध्यक्ष शरद महेश्वरी,उपजा के प्रदेश संगठन मंत्री नीरज चक्रपाणि सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

कार्यक्रम संयोजक शिवा नागर, संरक्षक विष्णु नागर, दीनदयाल सारस्वत, मयंक वशिष्ठ एवंगन सिंह प्रधान ऑल जर्नलिस्ट एकता संगठन आदि पदाधिकारी ने जनपद व मंडल के सभी पत्रकारों को प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। मेले

में स्वांग व नौटंकी की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्वांग के जनक पं. नथाराम द्वारा रचित ईदल हरण का मंचन हुआ।

कलाकारों ने संवाद और अभिनय की ऐसी प्रस्तुति दी कि दर्शक पूरी रात तालियों की गड़गड़ाहट से उत्साहवर्धन करते रहे और सुबह 6 बजे तक कार्यक्रम का आनंद लिया। सम्मान समारोह में वरिष्ठ पत्रकार विष्णु नागर, दीनदयाल सारस्वत, मयंक वशिष्ठ, सुमित शर्मा, सूरज मोर्य, राजेश गौतम, गोविंद चौहान, संजय शर्मा, संजय दीक्षित, शंभुनाथ पुरोहित, हिमांशु गुप्ता, महोदय अटल, सरफराज खान, अमित शर्मा, दिनेश कुशवाहा, सुमित मनोज महेश्वरी सहित एसोसिएशन पदाधिकारी व समाजसेवी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

भारतीय किसान संघ ने मनाया श्री दाऊजी महाराज का जन्मोत्सव

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। गांव रूदायन में भारतीय किसान संघ हाथरस के तत्वावधान में, श्री दाऊजी महाराज जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में की अकार्यक्रम में मुख्य अतिथि किसान समृद्धि आयोग उत्तर प्रदेश सदस्य विशिष्ट रिषी जैसवाल तथा अतिथि भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश मंत्री, मोहन वाहर, विशिष्ट अतिथि प्रदीप नारायण, मुख्य विकास अधिकारी हाथरस, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष सतपाल, कार्यक्रम संयोजक श्री अनिल गुप्ता जी उपाध्यक्ष ब्रज प्रान्त भाकि संघ रहे।

आयोजित कार्यक्रम में श्री दाऊजी महाराज के छबिचित्र एवं मंचासीन एवं अन्य भी कार्यक्रमों ने पुष्पहार अर्पित कर किया। वहीं विष्णु कुमार शर्मा ने दाऊ बाबा एवं भगवान श्री कृष्ण द्वारा किए गये कर््यों पर ध्यान आकषिप्त करते हुए बताया कि जीवन में सत्य और धर्म की विजय होती है असत्य और अधर्म की सदैव हार होती है और सर्वनाश

गाफिल स्वामी, बाबा देवी सिंह निडर और चेतन उपाध्याय ने काव्यपाठ के माध्यम से साइबर सुरक्षा का संदेश दिया।इस अवसर पर पं. अविनाश चंद पचौरी, पं. ऋषि कुमार कौशिक, हरिशंकर वर्मा, जीवनलाल शर्मा, शंभुनाथ पुरोहित, सुनील दीक्षित, सीमा गौयल, चांदनी भारद्वाज, पुनम शर्मा, गुड्डिया चौधरी, भूपेंद्र शर्मा, राम वर्मा, राजकुमारी चौहान, पूर्व सभासद गीता प्रेमी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

धार्मिक यात्रा पर निकली बस विहिप ने किया स्वागत

मोर्निंग सिटी संवाददाता

हाथरस। विहिप के अर्धनारीश्वर शांति हरिगढ़ महानगर के सदस्य विश्व कल्याण की कामना से भागवत शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों मे से नौ ज्योतिर्लिंगों को रवाना किया।

इस अवसर पर इशान श्रीवास्तव महानगर सत्यंग प्रमुख विश्व हिन्दू परिषद ने सब का सम्मान कर के यात्रा को रवाना किया। समानी टूर एण्ड ट्रेवल्स की एक बस द्वारा नौ ज्योतिर्लिंग एवं नौ प्रांतों की धार्मिक यात्रा के लिए एक बस सासनी से रवाना हुई। जिसका विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने धूप वर्षा कर ज्योशीला स्वागत किया। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि अर्धनारीश्वर शांति हरिगढ़

महानगर के सदस्य विश्व कल्याण की कामना से भागवत शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों मे से नौ ज्योतिर्लिंग की यात्रा पर गये है। बस को इशान श्रीवास्तव महानगर सत्यंग प्रमुख विश्व हिन्दू परिषद ने सम्मान यात्रा को रवाना किया।

यात्रा में आरती श्रीवास्तव अलीगढ़, गायत्री देवी सिकंदरपुर, अनु हाथरस, मनीषा हाथरस, राधा हरियाणा, सीमा देवी हरियाणा शामिल हैं। बस महारिकालेश्वर, मल्लिकार्जुन, ज्यम्बकेश्वर, ओमकारेश्वर, घृष्णेश्वर, रामेश्वरम, सोमनाथ, भीमाशंकर, नागेश्वर, के लिए मध्य प्रदेश, तमिलनाडू, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित नौ प्रांतों में यात्रा कर विश्व कल्याण की कामना करेंगे।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।



खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनजी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्क पीईटी सेंटर और यूके के संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रहना बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्क विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारु गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रही तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।



कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमारियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है? यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कार्यों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।' यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमारियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खरिटे आना गहरी नींद की गिशाही है। उन्हें यह समझना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खरिटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 132% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं। एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है',

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सफोलिएशन भी होती है। इसमें एंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं। एंटीऑक्सीडेंट्स का भंडार नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि एंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोयूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती है।



कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वै प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन। रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए। अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें। धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है। कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं। अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है। जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष खयाल रखें। सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है। एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके। ... तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।



सेहत का रखना है खयाल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में

शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांस प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं खयाल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सैंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सैंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सैंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सैंधा नमक खाना शुरू कर दें। सैंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन,

कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सैंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सैंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे - पाचन तंत्र के लिए लाभदायक सैंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सैंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी को समस्याओं को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सैंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के

चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है। मांसपेशियों में ऐंठन से नमक सैंधा नमक में सोडियम व्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सैंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सैंधा नमक में डिकॉनोस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉनिकलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। रक्तचाप को करे बैलेंस सैंधा नमक में पोटेशियम का मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सैंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।





ऑल अबाउट हर में होंगी मजेदार और जरूरी बातें

अभिनेत्री सोहा अली खान ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर शुरू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में हम एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आए हैं, जो अब तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है। बातचीत में सोहा ने कहा, मैं मानती हूँ कि आजकल पॉडकास्ट्स की संख्या बहुत बढ़ गई है और लोगों की दिलचस्पी भी इसमें बढ़ रही है। लेकिन जब मैंने रिसर्च की तो देखा कि न्यूज, फिशनल थ्रिलर्स, वेलेनेस और पैरेंटिंग जैसे विषयों पर कई पॉडकास्ट हैं, मगर महिलाओं की वेलेनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी गैप को भरने की कोशिश कर रही हूँ। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सेलेब्रिटी होता है या कोई एक्सपर्ट। लेकिन उनके पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है। इसमें न केवल सेलेब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे। सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सेलेब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता है। लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, तो बातचीत भी मजेदार होती है और सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं। यही इस पॉडकास्ट की खासियत है। उम्मीद है कि यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक बनाएगा और उपयोगी जानकारी मुहैया कराने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, और सनी लियोन जैसे कई पॉपुलर चेहरे नजर आएंगे। साथ ही, किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु, और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी। अभिनेत्री का पॉडकास्ट ऑल अबाउट यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है।



नो एंट्री का बिपाशा बसु वाला रोल लारा दत्ता को हुआ था ऑफर

साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'नो एंट्री' ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसे आज भी लोग देखना पसंद करते हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म को रिलीज हुए 20 साल हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म की एक्ट्रेस लारा दत्ता ने खुलासा किया है कि बिपाशा वाले रोल के लिए उन्हें सेलेक्ट किया गया था। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर लिखा, नो एंट्री के 20 साल पूरे हो गए। यह फिल्म हमेशा मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक रहेगी। कॉमेडी में मेरा पहला कदम, मुझे वह रोल मिला था, जो बाद में बिपाशा ने निभाया था। मुझे याद है कि मैंने अनीस बज्मी से कहा था कि काजल का किरदार मेरे अब तक के सबसे अलग किरदारों में से एक है और मुझे एक बेहद शक्की, बड़बोली, पंजाबी पत्नी का किरदार निभाने के लिए खुद को कड़ी चुनौती देनी होगी। हेरानी की बात है कि मैंने उस किरदार को पूरी तरह से अपनाया और उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया।



काम हीरो जितना लेकिन पैसा दसवां हिस्सा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों कई फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई के खिलाफ आवाज उठाते हुए नजर आ रही हैं। प्रियंका फिल्म जगत में असमान वेतन और पुरुष प्रधान कल्चर पर बात कर रही हैं।

तेलुगु फिल्म में आएंगी नजर

प्रियंका चोपड़ा ने अपने अभिनय की शुरुआत भारतीय सिनेमा से की और समय के साथ न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी खास जगह बनाई। वह अब जल्द ही तेलुगु सिनेमा में भी कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में वो साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

वायरल वीडियो में प्रियंका साफ कहती हैं कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सब कुछ पुरुष केन्द्रित है। उनकी मानें तो सेट पर मेहनत दोनों ही कलाकार करते हैं, परंतु भुगतान में भारी असमानता है। उन्होंने कहा कि अक्सर हीरो तय करता है कि शूटिंग कब शुरू होगी और सबको उसका इंतजार करना पड़ता है, जबकि अभिनेत्रियों की राय या समय का कोई महत्व नहीं दिया जाता। प्रियंका के मुताबिक, उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में ऐसे हालात देखे जब किसी फिल्म में नायक को दी गई

फीस का दसवां हिस्सा भी उन्हें नहीं मिला। कई बार जब उन्होंने बराबरी की बात उठाई, तो उन्हें ज्यादा मांग करने वाली या घमंडी करार दिया गया और मौके भी छीन लिए गए।

फिर से शुरू हुई बहस

प्रियंका के इस वीडियो से पहले भी कई बार ये मुद्दा उठ चुका है। इससे पहले भी दीपिका पादुकोण और विद्या बालन जैसी अभिनेत्रियां वेतन असमानता पर अपनी राय रख चुकी हैं। हालांकि बावजूद इसके कोई ज्यादा फर्क नजर नहीं आता है। उदाहरण के तौर पर नितेश तिवारी की रामायण में मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जहां रणबीर कपूर राम बनने के लिए 75 करोड़ रुपये एक पार्ट के लिए चार्ज कर रहे हैं वहीं कोइमोई की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में सीता का किरदार निभा रही साई पल्लवी को 18-20 करोड़ रुपये मिल रहे हैं।

हॉलीवुड में मिला समान सम्मान

दिलचस्प बात यह है कि वीडियो में प्रियंका सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड का भी जिक्र करती हैं। उन्होंने कहा कि विदेश में उन्हें हीरो के बराबर मेहनताना दिया गया और वहां महिला कलाकारों को वो सम्मान मिला जिसकी कमी बॉलीवुड में अब भी है। यह अनुभव उनके लिए बेहद संतोषजनक रहा।

बेबी के किरदार की वजह से मिला तेहरान में मौका

मधुरिमा तुली की तेहरान हाल ही में जी5 पर रिलीज हुई है। इसमें उनके साथ जॉन अब्राहम भी हैं। मधुरिमा ने खास बातचीत की।

फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं?

पिछले कुछ समय से मैं लगातार म्यूजिक वीडियो कर रही थी और साथ ही कई लुक टेस्ट भी दे रही थी, लेकिन कहीं बात बन नहीं पा रही थी। तभी मेरी मैनेजर ने मेरे कुछ फोटो इस फिल्म के लिए भेजे। मेकर्स ने जब उन्हें देखा तो मुझे इस किरदार के लिए चुन लिया। बाद में जब मेरी मुलाकात टीम से हुई तो मुझे स्क्रिप्ट और मेरा किरदार दोनों ही बेहद पसंद आए। उन्होंने बताया कि मेरी पिछली फिल्म बेबी में निभाए गए किरदार को देखकर ही मुझे चुना गया था, क्योंकि उन्हें वैसी ही एक लड़की अपने प्रोजेक्ट के लिए चाहिए थी।

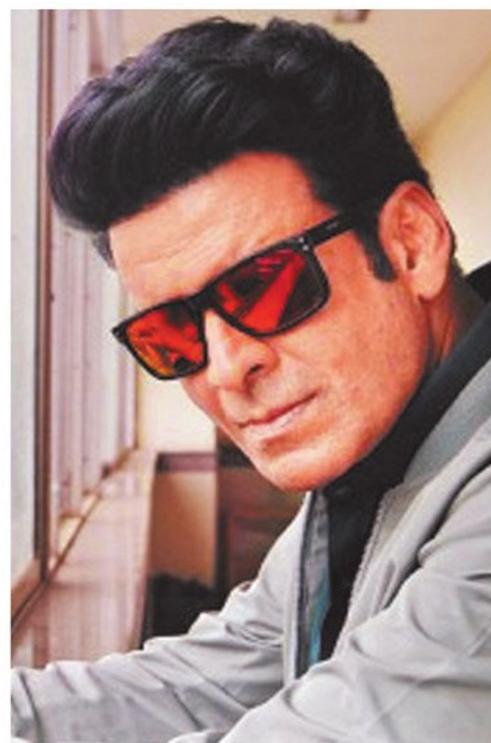
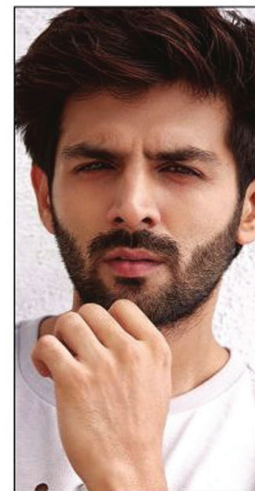
जॉन संग बॉन्डिंग कैसी रही?

मेरी और जॉन की बॉन्डिंग काफी जबरदस्त रही। हमने साथ में कई संजीदा सीन्स किए और उनके लिए डायरेक्टर्स के साथ कई बार रीटिंग सेशन भी हुए। अक्सर हम बैठकर सोचते थे कि किसी सीन को किस तरह और बेहतर तरीके से परफॉर्म किया जा सकता है। इस दौरान हमारा कोऑर्डिनेशन बहुत अच्छा बना, जिसकी वजह से ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी और निखर कर सामने आई। वहीं अगर स्क्रिप्ट की बात करू तो यह वाकई बहुत खूबसूरती से लिखी गई है। इसमें कई कठिन भाव ऐसे हैं जिन्हें बेहद कम शब्दों में बड़े सहज और असरदार तरीके से बयां किया गया है।



निर्देशक विष्णुवर्धन की अगली फिल्म में दिखाई देंगे कार्तिक

अभिनेता कार्तिक आर्यन को पिछली बार फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। आने वाले समय में कार्तिक एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे और अब उनके खाते से एक और बड़ी फिल्म जुड़ गई है। कार्तिक ने अपनी अगली फिल्म के लिए पहली बार निर्देशक विष्णुवर्धन से हाथ मिलाया है, जिन्हें सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की फिल्म शेरशाह के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विष्णुवर्धन एक जॉनी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसके हीरो कार्तिक होंगे। निर्माताओं की तरफ से फिल्म की हरी झंडी मिल गई है। कार्तिक ने भी फिल्म के लिए हामी भर दी है, लेकिन कामजी कार्रवाई अभी बाकी है। फिल्म की कहानी लिखी जा चुकी है और जुलाई 2026 में इसकी शूटिंग शुरू होगी।



मनोज बाजपेयी की नई फिल्म 'जुगनुमा' की हुई घोषणा

ओटीटी के किंग कहे जाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी आने वाले वक्त में अलग-अलग जॉनर के कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। आज ही उनकी नई फिल्म 'इंस्पेक्टर जेदे' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। अब मनोज बाजपेयी के एक और प्रोजेक्ट की जानकारी सामने आई है। उनकी इस फिल्म का नाम है 'जुगनुमा'। आज फिल्म का पोस्टर और इसकी रिलीज डेट सामने आई है।

कुछ ऐसी होगी फिल्म की कहानी

'जुगनुमा' एक जादुई फिक्शनल ड्रामा है। इस फिल्म की कहानी 80 के दशक के आखिरी में आधारित है। फिल्म के केंद्र में है देव, जिसे मनोज बाजपेयी ने निभाया है। देव हिमालय में स्थित अपने फलों के बागों में रहस्यमय तरीके से जले हुए पेड़ों की खोज करता है। तमाम कोशिशों के बावजूद और भी आग लग जाती है, जिससे उसे खुद को और अपने परिवार को उनके असली रूप में देखने का मौका मिलता है। कहानी काफी रोचक मालूम पड़ती है। फिल्म 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म से जुड़े हैं अनुराग कश्यप



'जुगनुमा' का निर्देशन राम रेड्डी ने किया है। यह उनकी दूसरी फिल्म है। उन्होंने इससे पहले साल 2016 में आई नेशनल अवॉर्ड विनिंग कन्नड़ फिल्म 'तिथि' का निर्देशन किया था। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, हिरल सिद्धू, तिलोत्तमा शोम

सरीखे कलाकार भी नजर आएंगे। निर्माता गुनीत मोगा कपूर और अनुराग कश्यप इस फिल्म से बतौर एजीक्यूटिव प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन का इंतजार कर रहे हैं

मनोज बाजपेयी के वर्कफ्रंट की बात करें तो इसके अलावा वो नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेदे' में नजर आएंगे, जो 5 सितंबर को रिलीज हो रही है। इसके अलावा दर्शक उनकी लोकप्रिय वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'द फैमिली मैन' के नए सीजन के इस साल की अंत तक आने की उम्मीद है।



इंडस्ट्री ने काम देना बंद कर दिया था हम रेसिस्ट हैं, बदलने में वक्त लगेगा

अपने अभिनय के लिए नैशनल अवॉर्ड की हकदार रही पल्लवी जोशी के करियर में एक दौर ऐसा भी आया, जब उनके पास काम नहीं था। कश्मीर फाइल्स के बाद वे चर्चा में हैं द बंगाल फाइल्स से।

आप फिल्म और टीवी दोनों का हिस्सा रहें हैं, मगर लंबे अरसे से आपने अभिनेत्री के रूप में खुद को डायरेक्टर पति विवेक अग्निहोत्री की फिल्मों तक सीमित कर लिया है? मैं तो विवेक की बहुत शुक्रगुजार हूँ कि वो मेरे लिए किरदार लिख रहे हैं। कम से कम मैं उनकी फिल्मों में तो काम कर पा रही हूँ, क्योंकि बाहर की फिल्मों में तो मुझे काम मिलना बंद हो गया था। ये हुआ 2004-5 से। मेरी दो सहेलियां हैं, रेणुका

(शहाणे) और मुणाल जिन्होंने मुझे कास्ट किया। अन्यथा मुझे तो कोई ऑफर्स ही नहीं आ रहे थे। मुझे टीवी के वही डेली सॉप के प्रस्ताव आ रहे थे, जो मैं करना नहीं चाहती थी। उसमें कोई किरदार नहीं होता, आप किसी की मां या सास होते हैं और वो चरित्र कभी भी पलटी मार सकता है। मेरे लिए रोल की शुरुआत और एडिज जानना जरूरी होता है। मैं अभिनय नहीं कर रही थी तो मैंने अपना प्रोडक्शन शुरू किया। मैंने दो हजार के दशक में दो मराठी फिल्में बनाई थीं। फिर हमने अपना होम प्रोडक्शन शुरू किया।

आप जैसी समर्थ अदाकारा के लिए रोल्स की कमी क्यों कर हुई?

मुझे कोई आडिडिया नहीं है। हां बीच में दो हजार के दशक में मेरी समकालीन अभिनेत्रियां घर बैठ गई थीं। ये चलन हो गया था कि अरे इनको बहुत देख लिया है, नए चेहरों को लो। मेरे साथ की कई अभिनेत्रियों को नुकसान पहुंचा था। नीना गुप्ता को छोड़ दिया जाए, और उन्होंने भी दिवंगत पर डाल दिया था कि उन्हें काम नहीं मिल रहा, तो उसके बाद उन्हें काम मिलने लगा। वरना वे कितने सालों

तक घर पर बैठी थीं। ये दुखद है, मगर जो अच्छे एक्टर्स होते हैं, वे अच्छे कैरेक्टर भी तो चाहते हैं।

इंडस्ट्री में अनक-वैशनल रूप-रंग के कारण आपको रिजेक्शन का शिकार होना पड़ा था?

बहुत पहले हुआ था। विवेक मुझे किसी टीवी प्रोजेक्ट के लिए कास्ट कर रहे थे, तो एक सीनियर पर्सन ने कहा, पल्लवी जोशी को कास्ट मत करो, वो काली है। तब विवेक ने हंस कर कहा था, मेकअप भी कोई चीज होती है। मगर ये तो होता ही है। हमारे यहां जब बच्चा पैदा होता है, तो पूछा जाता है, गोरा है या काला है? हमें आज भी गोरी चमड़ी का ऑब्सेशन है। लड़का है या लड़की है? यह भी पूछा जाता है, तो हम रेसिस्ट भी हैं और सेक्सिस्ट भी। समस्या हमारे अंदर है, तो जब तक उसमें सुधार नहीं होगा, कुछ नहीं बदलेगा।

आपके निर्देशक पति विवेक अग्निहोत्री का कहना है कि द बंगाल फाइल्स एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगी?

देखिए, ये सच तो है, मगर उसे कहने का मेरा तरीका

विवेक से हट कर है। मैं कहती हूँ कि किसी एक फैक्ट को नहीं छुपाया गया कि इससे देश का सोशल फैब्रिक खराब होगा, हमने देखा कि जो-जो हमने सहा, वो सब कुछ दबा कर रख दिया गया। कहने का अर्थ ये है कि जो पूरा सच छुपाया गया, वो एक एजेंडा था। भारतीय नागरिक होने के नाते इस एजेंडे को बेनकाब करना मेरा कर्तव्य है। मैं फिल्म में मां भारती का किरदार कर रही हूँ। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म में सारे किरदार वास्तविक हैं, सिर्फ मेरा किरदार काल्पनिक है, तो इसे करना चुनौतीपूर्ण रहा।

